गद्य भाग

1. बड़े घर की बेटी

मुंशी प्रेमचन्द

I. एक शब्द या वाक्यांश या वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. ठाकुर साहब के कितने बेटे थे?
2. बेनी माधवसिंह अपनी आधी से अधिक संपत्ति किसे भेंट के रूप में दे चुके थे?
3. ठाकुर साहब के बड़े बेटे का नाम क्या था?
4. श्रीकंठ कब घर आया करते थे?
5. आनंदी के पिता का नाम लिखिए ।
6. थाली उठाकर किसने पलट दी ?
7. बेनी माधव सिंह किस गाँव के ज़मीनदार थे?
8. किसकी आँखें लाल हो गयी थीं?
9. बिगड़ता हुआ काम कौन बना लेती है?
10. 'बड़े घर की बेटी' कहानी के लेखक कौन हैं?
11. गौरीपुर गाँव के ज़मींदार कौन थे?
12. ठाकुर साहब के छोटे बेटे का नाम क्या था?
13. श्रीकंठ सिंह का किसके साथ ब्याह हो गया?
14. कौन स्वभाव से ही दयावती थी?
15. बुद्धिमान लोग किनकी बातों पर ध्यान नहीं देते?
16. मुगदर की जोड़ी किसने बनवा दी थी?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. बेनी माधवसिंह के परिवार का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
2. आनंदी ने अपनी ससुराल में क्या रंग ढ़ंग देखा ?
3. लालबिहारी आनंदी पर क्यों बिगड़ पड़ा?
4. आनंदी बिगड़ता हुआ काम कैसे बना लेती है?
5. आनंदी का चरित्र चित्रण कीजिए ।
6. श्रीकंठ सिंह के स्वभाव के बारे में लिखिए ।
7. भूपसिंह का परिचय दीजिए ।
8. आनंदी का ब्याह श्रीकंठ सिंह के साथ कैसे हो गया?

III. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहा?

1. ''जल्दी से पका दो, मुझे भूख लगी है''?
2. ''जिसके गुमान पर भूली हुई हो, उसे भी देखूँगा और तुम्हें भी।''
3. ''बेटा, बुद्धिमान लोग मूर्खों की बात पर ध्यान नहीं देते।''
4. ''लालबिहारी को मैं अब अपना भाई नहीं समझता।''
5. ''अब मेरा मुँह नहीं देखना चाहते, इसीलिए अब मैं जाता हूँ।''
6. ''भैया, अब कभी न कहना कि तुम्हारा मुँह न देखूँगा।''
7. ''मुझसे जो कुछ अपराध हुआ, क्षमा करना ।''
8. ''बहू–बेटियों का यह स्वभाव अच्छा नहीं कि मर्दों के मुँह लगे।''
9. ''लाला बाहर खड़े बहुत रो रहे हैं।''
10. ''इतनी गरम क्यों होती हो, बात तो कहो।''

IV. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए :

1. ''अभी परसों घी आया है। इतना जल्दी उठ गया?''
2. ''स्त्री गालियाँ सह लेती है, मार भी सह लेती है, पर मैके की निंदा उनसे नहीं सही जाती ।''
3. ''पर तुमने आजकल घर में क्या उपद्रव मचा रखा है?''
4. ''उससे जो कुछ भूल हुई, उसे तुम बड़े होकर क्षमा करो।''
5. ''बड़े घर की बेटियाँ ऐसी ही होती हैं। बिगड़ता हुआ काम बना लेती हैं ।''
6. ''मैके के सामने हम लोगों को कुछ समझती ही नहीं ।''
7. ''तुम्हें मेरी सौगंध, अब एक पग भी आगे न बढ़ाना ।''
8. ''उन्हें बहुत ग्लानि हो गयी है, ऐसा न हो, कहीं चल दें ।''

◆ ◆ ◆ ◆